डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

दैनिक

पटना, 29 मई, सोमवार, 2023

"राज्याभिषेक पूरा हुआ- 'अहंकारी राजा' सड़कों पर कुचल रहा जनता की आवाज़."

राष्ट्रपति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

नए संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति को नहीं बुलाने के खिलाफ कांग्रेस का प्रतिरोध मार्च

नए संसद के उद्घाटनकर्ता के रूप में राष्ट्रपति को नहीं बुलाना संवैधानिक पद का अपमान : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

पटना.

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत नए केंद्रीय संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति को नहीं बुलाये जाने और उनके हाथों उस भवन का उद्घाटन नहीं कराएं जाने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में प्रतिरोध मार्च निकाला गया। प्रतिरोध मार्च का नेतृत्व बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने किया।

प्रतिरोध मार्च बोरिंग रोड़ चौराहे से अंबेडकर प्रतिमा हाईकोर्ट तक चला जिसमें कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार के मुखिया नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि महिलाओं का सम्मान नहीं करने वाले संघी मानसिकता के लोग आज देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठी आदिवासी समाज की महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बन रहे संसद भवन का उद्घाटन नहीं करना बेहद ही निंदनीय और अपमानजनक कृत्य है। केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि देश की सभी संवैधानिक मर्यादाओं और परंपराओं को प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए ताक पर रख दिया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि देश में कुंठित मानसिकता के लोग सत्ता में बैठ गए हैं जो देश की परंपराओं और मर्यादाओं को तोड़कर नई लकीर बनाने में लगे हैं।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां महिला, आदिवासी और देश विरोधी है। महंगाई और बेरोजगारी की समस्या को जो सरकार नियंत्रित नहीं

कर पा रही है वो फिजूल खर्च कर देश के गाढ़ी कमाई को बर्बाद कर रहे हैं।

प्रतिरोध मार्च में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावे विधान परिषद् में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, कौकब कादरी, विधान पार्षद प्रेम चन्द्र मिश्रा, डॉ. समीर कुमार सिंह, विधायक अजय कुमार सिंह, मिडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, बंटी चौधरी, निर्मल वर्मा, ब्रजेश प्रसाद मुनन, आनंद माधव, अलोक हर्ष, राज कुमार राजन, पूर्व विधायक लाल बाबू लाल, कपिल देव प्रसाद यादव, डॉ अजय कुमार सिंह, नागेन्द्र कुमार विकल, मनोज कुमार सिंह, राजेश कुमार सिन्हा, सेवादल के डॉ. संजय यादव, शशि कान्त तिवारी, कमल देव नारायण शुक्ला, चन्द्र प्रकाश सिंह अजय कुमार चौधरी, सौरभ सिन्हा, ललन यादव, अनुराग चन्दन, अरविन्द लाल रजक, स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, गुंजन पटेल, राजकिशोर सिंह, संजय पाण्डेय, सुधा मिश्रा, असफर अहमद, गरीब दास, उदय शंकर पटेल, मिथिलेश शर्मा मधुकर, संतोष श्रीवास्तव, वसी अख्तर, पुरुषोत्तम मिश्र, शशि रंजन, आशुतोष शर्मा मोह. रीता सिंह, रेणु सिंह, शाहनवाज, सत्येन्द्र कुमार सिंह, धनंजय शर्मा, अखिलेश्वर सिंह, अश्विनी कुमार, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, परवेज़ अहमद, विमलेश तिवारी, रूपम यादव, बैद्यनाथ शर्मा, निधि पाण्डेय, इंदु सिन्हा, मिर्नाल अनामय, सुनील कुमार सिंह, अविनाश शर्मा, ,

राजनन्दन कुमार, नवनीत जयपुरयार, नीतू सिंह निषाद, राजेंद्र चौधरी, प्रदुमन यादव, उमेश कुमार राम, मुकुल यादव, गुरुदयाल सिंह, कुंदन गुप्ता, आई.पी. गुप्ता, दिलीप कुमार सिंह, राजीव मेहता, दुर्गा प्रसाद, सिद्धार्थ क्षत्रिय, अजात शत्रु, यशलोक कुमार विद्यार्थी, धर्मवीर शुक्ला, राजन यादव, शारीफ रंगरेज, अजित शुक्ला, मनोज शुक्ला, सतीश कुमार मंटन, रुमा सिंह, पंकज यादव, आदिम अख्तर अंसारी, इशा यादव, पूनम यादव, मुकुल यादव, प्रियंका सिंह, समेत सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहें।

राजेश राठौड
चेयरमैन, मीडिया विभाग
बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी

प्रतिरोध मार्च

बोरिंग रोड चौराहा से अंबेडकर जी के प्रतिमा हाईकोर्ट पटना तक।
प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह जी के नेतृत्व में।

डॉ0 संजय ने महिला पहलवानों गिरफ्तारी को बताया लोकतंत्र का चीरहरण

कहा बेटियों का अपमान- नही सहेगा हिंदुस्तान

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

यौन उत्पीड़न के आरोपी भाजपा सांसद सह भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफ़आई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही महिला पहलवानों की गिरफ्तारी को बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष डॉ० संजय यादव ने लोकतंत्र का चीरहरण बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां देश की संसद के नये भवन के उद्घाटन का किया जा रहा था तो दूसरी ओर भाजपा के कथित बलात्कारी सांसद को बचाने के लिये पदक विजेता महिला पहलवानों को हिरासत में लिया जा रहा है। अमित शाह की पुलिस ने अलोकतांत्रिक तरीके से महिला पहलवानों के लोकतांत्रिक अधिकार और सम्मान को रौंदा है। तथाकथित अमृतकाल में यह तानाशाही सरकार मेडल ला कर देश का मान बढ़ाने वाली बेटियां के साथ अपमानजनक व्यवहार कर रही है। एक और यही सरकार बेटी बचाओ का नारा देती है तो दूसरी ओर बेटियों के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी बीजेपी सांसद को बचाने का बेशर्म कार्य कर रही है। डॉ० संजय ने कहा कि देश की जनता इन बेटियों के साथ है और इनका अपमान देश नही सहेगा।

Creation 7463096991

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल

HAPPY BIRTHDAY

की ओर से

HAPPY BIRTHDAY

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आदरणीय

डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह जी

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

HAPPY BIRTHDAY

डॉ. संजय कुमार मुख्य संगठक

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल

सदाकत आश्रम पटना–10

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर बच्चों में पाठ्य सामग्री का हुआ वितरण

डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के जन्मदिन के पूर्व संध्या पर पाठ्य सामग्री का हुआ वितरण

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

पटना.

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम के मुख्य सभागार में केक काटकर मनाया गया। इस बीच पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष व विधान पार्षद डॉ समीर कुमार सिंह, पूर्व विधायक बंटी चौधरी और रीता सिंह के द्वारा आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के हाथों से जन्मदिन में आएं सैंकड़ों बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण प्रदेश अध्यक्ष के हाथों किया गया। साथ ही बच्चों को केक और मिठाई खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपने जन्मदिन के पूर्व संध्या पर महिला और आदिवासी समाज के सम्मान की प्रतिज्ञा लेकर कहा कि देश के वर्तमान माहौल में कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता महिला व आदिवासी उत्थान और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

जन्मदिन की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधान परिषद् में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, कौकब

कादरी, विधान पार्षद प्रेम चन्द्र मिश्रा, डॉ. समीर कुमार सिंह, विधायक अजय कुमार सिंह, मिडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, बंटी चौधरी, निर्मल वर्मा, ब्रजेश प्रसाद मुनन, आनंद माधव, अलोक हर्ष, राज कुमार राजन, पूर्व विधायक लाल बाबू लाल, कपिल देव प्रसाद यादव, डॉ अजय कुमार सिंह, नागेन्द्र कुमार विकल, मनोज कुमार सिंह, राजेश कुमार सिन्हा, सेवादल के डॉ. संजय यादव, शशि कान्त तिवारी, कमल देव नारायण शुक्ला, चन्द्र प्रकाश सिंह अजय कुमार चौधरी, सौरभ सिन्हा, अनुराग चन्दन, केशर कुमार सिंह, अरविन्द लाल रजक, स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, गुंजन पटेल, राजकिशोर सिंह, संजय पाण्डेय, सुधा मिश्रा, असफर अहमद, गरीब दास, उदय शंकर पटेल, मिथिलेश शर्मा मधुकर, संतोष श्रीवास्तव, वसी अख्तर, पुरुषोत्तम मिश्र, शशि रंजन, आशुतोष शर्मा मोह. रीता सिंह, रेणु सिंह, शाहनवाज, सत्येन्द्र कुमार सिंह, धनंजय शर्मा, अखिलेश्वर सिंह, अश्विनी कुमार, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, परवेज़ अहमद, विमलेश तिवारी, रूपम यादव, बैद्यनाथ शर्मा, निधि पाण्डेय, इंदु सिन्हा, मिर्नाल अनामय, ललन यादव, सुनील कुमार सिंह, अविनाश शर्मा, राजनन्दन कुमार, नवनीत जयपुरयार, नीतू सिंह निषाद, राजेंद्र चौधरी, प्रदुमन यादव, उमेश कुमार राम, मुकुल यादव, ज्ञान रंजन, गुरुदयाल सिंह, कुंदन गुप्ता, आई.पी. गुप्ता, दिलीप कुमार सिंह, राजीव मेहता, दुर्गा प्रसाद, सिद्धार्थ क्षत्रिय, अजात शत्रु, यशलोक कुमार विद्यार्थी, धर्मवीर शुक्ला, राजन यादव, शारीफ रंगरेज, अजित शुक्ला, मनोज शुक्ला, सतीश कुमार मंटन, रुमा सिंह, पंकज यादव, आदिम अख्तर अंसारी, इशा यादव, पूनम यादव, मुकुल यादव, प्रियंका सिंह, राहुल पासवान, रमाशंकर पाण्डेय समेत सैंकड़ों की संख्या में बच्चें और कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

अब कांग्रेस में आप में से जुझारू व इमानदार कार्यकर्ता होंगे - शैलजा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

हिसार - पूर्व केंद्रीय मंत्री राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव बहन शैलजा ने अपने आवास स्थान पर कांग्रेस सेवा दल एवं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ सार्वभौमिक मंत्रणा की कांग्रेस सेवादल हिसार के अध्यक्ष विजेंद्र कपूर एवं उपाध्यक्ष शमशेर सिंह ने बताया कि वर्तमान में कांग्रेस देश के लिए विकास का विकल्प रह गया है वर्तमान सरकार का धूमिल दर्पण में तस्वीर स्पष्ट हो गई है महंगाई बेरोजगारी एवं झूठ की बासी मलाई समाज के लिए सुरसा मुखी हो चुकी है । कपूर ने यह भी बताया कि विगत में बहन शैलजा जमीन से जुड़ी नेत्री रही है जो समाज की समस्याएं बड़े ध्यान से सुनती है और संघर्ष भी करती है जो इस संघर्ष में कांग्रेस सेवादल हिसार की टीम बहन जी के साथ ताल एक कदम रही है इसके साथ साथ विजेंद्र कपूर ने यह भी बताया कि कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है कि हमें बहन जी के जन जागरण में जी जान से प्रयत्न करना है क्योंकि कार्यकर्ता ही समाज की समस्याओं के निराकरण करने के लिए बुलंद आवाज बनता है जो शैलजा बहन सी उदीयमान नेता ही संजीवनी का काम करती है इस मीटिंग के बाद बहन जी ने अपने कर्म क्षेत्र उकलाना का दौरा किया।

इस मौके पर - पूर्व सांसद चरणजीत सिंह रोड़ी, चौधरी जगन्नाथ सिंह, पूर्व विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ,पूर्व प्रत्याशी बरवाला भूपेंद्र गंगवा ,पूर्व विधायक रणधीर सिंह धीरा,लाल बहादुर खोवाल ,मास्टर ईश्वर सिंह खेदड़ , हरिकिशन प्रभु वाला ,कृष्ण सातरोड, करण सिंह ,रामनिवास राड़ा ,सतबीर मुवाल ,संदीप मदनपुरा, राहुल पांचाल ,सतीश शर्मा ,गांधी कुलैरी, रवि, सोनू , सेमराज ,जगबीर कपूर, बलजीत सुरेवाला, अनिल सरपंच, पूर्व सरपंच राजेश भूटानी, देवीलाल मलिक आदि सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे।

कौकब कादरी ने राष्ट्रपति के अपमान को बताया लोकतंत्र पर हमला

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कौकब कादरी ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए नए संसद भवन का खुद उद्घाटन करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति का एक गंभीर अपमान है, साथ ही यह हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला है. लोकतांत्रिक व्यवस्था का उल्लंघन है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने मिडीया को बताया कि मोदी सरकार का तानाशाही चेहरा पूरी तरह सामने आ गया है। देश के नये संसद भवन का उद्घाटन में संसद के अंग एवं देश के संवैधानिक प्रमुख को आमंत्रित न करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। पूरे विपक्ष की आवाज को अनसुना कर देना बीजेपी सरकार का तानाशाही रवैया है। हर छोटे बड़े कार्यक्रम को बड़े तमाशे में बदल देने के पीछे मोदी सरकार की मंशा जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने की है ताकि जनता का ध्यान बढ़ती महंगाई, कारपोरेट लूट- भ्रष्टाचार,

बेरोजगारी, गरीबी जैसे मुद्दों पर न जाय। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कौकब कादरी ने कहा एक तरफ राज्याभिषेक समारोह का आयोजन तो दूसरी ओर देश की बेटियों, महिला पहलवानों पर बीजेपी की पुलिस द्वारा अत्याचार उनके अहंकार को जता रहा है जिसका माकूल जबाव जनता मोदी को देगी।

संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के खिलाफ काम कर रही मोदी सरकार

असफ़र अहमद

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के बिहार प्रदेश संयोजक असफ़र अहमद ने देश के नई संसद के उद्घाटन समारोह में धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मोदी सरकार देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान के खिलाफ काम कर रही है। तानाशाही मोदी सरकार भारतीय संविधान की प्रस्तावना के खिलाफ कार्य कर रही है। भारतीय संविधान देश को एक धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में वर्णित करता है। लेकिन इन सभी अवधारणाओं की धज्जियाँ मोदी सरकार द्वारा उड़ाई जा रही है। देश में नफरत का माहौल बनाया जा रहा है। लोकतांत्रिक संस्थाओं का मान गिराया जा रहा है। उद्घाटन को राष्ट्रपति की जगह प्रधानमंत्री द्वारा खुद किया जाना एक आदिवासी राष्ट्रपति का अपमान है। वर्तमान केन्द्र सरकार दलित,

आदिवासी, महिला और अल्पसंख्यक विरोधी है। यौन उत्पीड़न के आरोपी बीजेपी सांसद को बचाने वाली केंद्र सरकार उल्टे पीड़ित महिला पहलवानों को ही गिरफ्तार कर रही है। असफ़र अहमद ने कहा कि आने वाले चुनावों में जनता इस अत्याचारी अहंकारी मोदी सरकार को सबक सिखायेगी।

नई संसद भवन का उद्घाटन और राष्ट्रपति विवाद

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नए संसद भवन का उद्घाटन पीएम मोदी द्वारा किये जाने के विरोध में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को बोरिंग रोड चौराहा से अंबेडकर की प्रतिमा हाईकोर्ट तक प्रतिरोध मार्च निकाला गया ' प्रतिरोध मार्च में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा सहित कई विधायक, एमएलसी और बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता शामिल रहे ' अखिलेश सिंह ने कहा कि संविधान की संरक्षक राष्ट्रपति हैं ' उनके उद्घाटन कराना चाहिए था, लेकिन पीएम खुद किए ताकी क्रेडिट ले सकें ' शिलापट्ट पर नाम लिखा सकें '

संसद में राष्ट्रपति की भूमिका के बारे में संविधान क्या कहता है ??

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं बल्कि राष्ट्रपति को करना चाहिए। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा बोल चुके हैं कि यह संवैधानिक रूप से कतई गलत है कि संसद के बारे में कोई बड़ा फैसला संसद के मुखिया राष्ट्रपति को बाहर रखकर लिया जाए। राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद है। उनके पास कई तरह की शक्तियां होती हैं। राष्ट्रपति की शक्तियों में कार्यकारी, विधायी, न्यायपालिका, आपातकालीन और सैन्य शक्तियां शामिल हैं। संसद के तहत लोकसभा (निचला सदन) और राज्यसभा (ऊपरी सदन) आते हैं। इसका मुख्य काम विधान बनाना है। संविधान का अनुच्छेद 79 कहता है कि देश के लिए एक संसद होगी। इसमें राष्ट्रपति और दो सदन - राज्यसभा और लोकसभा शामिल होंगे। दूसरी ओर संविधान के अनुच्छेद 74 (1) में कहा गया है, 'राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री के साथ एक मंत्रिपरिषद होगा जो उनके कामों में मदद करेगा। राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद को अपनी सलाह पर दोबारा विचार करने के लिए कह सकते हैं। इस पर दोबारा विचार हो जाने के बाद राष्ट्रपति को दी गई सलाह के अनुसार काम करना होगा।' इस तरह भारतीय संविधान में साफ है कि संसद में राष्ट्रपति और सर्वोच्च विधायिका के दो सदन - राज्यसभा और लोकसभा शामिल हैं। आर्टिकल 87 कहता है कि प्रत्येक संसदीय सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति दोनों सदनों को संबोधित करेंगे।

माननीय राष्ट्रपति विधानमंडल की प्रमुख हैं। वह सरकार के प्रमुख यानी भारत के पीएम से

प्रोफेसर (डॉ.) संजय कुमार

ऊपर हैं। प्रोटोकॉल के तहत नई संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए। सत्ता के मद में अंधी बीजेपी संवैधानिक अनैतिकता की फव्वारा बन गई है। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने सिर्फ चुनावी कारणों से दलित और आदिवासी समुदायों से भारत के राष्ट्रपति का चुनाव सुनिश्चित किया है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नई संसद के शिलान्यास समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था। अब भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए

डॉ. राजकिशोर

संसद भवन के उद्घाटन में नहीं बुलाया जा रहा है। वह अकेले सरकार, विपक्ष और हर नागरिक का समान रूप से प्रतिनिधित्व करती हैं। राष्ट्रपति, सरकार, विपक्ष और हर नागरिक का समान रूप से प्रतिनिधित्व करती हैं ' वो भारत की प्रथम नागरिक हैं. वो उद्घाटन करेंगी तो ये लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा '

नया संसद भवन महामारी के दौरान बड़े खर्चे पर बनाया गया है. जिसमें भारत के लोगों या सांसदों से कोई परामर्श नहीं किया गया ' जिनके लिए स्पष्ट रूप से ये बनाया जा रहा है... राष्ट्रपति न केवल भारत में राज्य का प्रमुख होता है बल्कि संसद का अभिन्न अंग होता है ' राष्ट्रपति के बिना संसद कार्य नहीं कर सकती ' प्रधानमंत्री ने उनके बिना संसद भवन का उद्घाटन करने का निर्णय लिया है ' यह अशोभनीय कृत्य राष्ट्रपति के उच्च पद का अपमान करता है और संविधान के पाठ और भावनाओं का उल्लंघन करता है...जब लोकतंत्र की आत्मा को संसद से निष्कासित कर दिया गया है तो हमें नई इमारत में कोई मूल्य नहीं दिखता ' हम नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के अपने सामूहिक निर्णय की घोषणा करते हैं '

इधर मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है ' एक जनहित याचिका दायर कर भारत के राष्ट्रपति द्वारा नई संसद के उद्घाटन कराने के लिए लोकसभा सचिवालय और भारत सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है ' सुप्रीम कोर्ट के वकील सीआर जया सुकिन ने याचिका में कहा है कि उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को शामिल न करके भारतीय संविधान का उल्लंघन किया गया है '

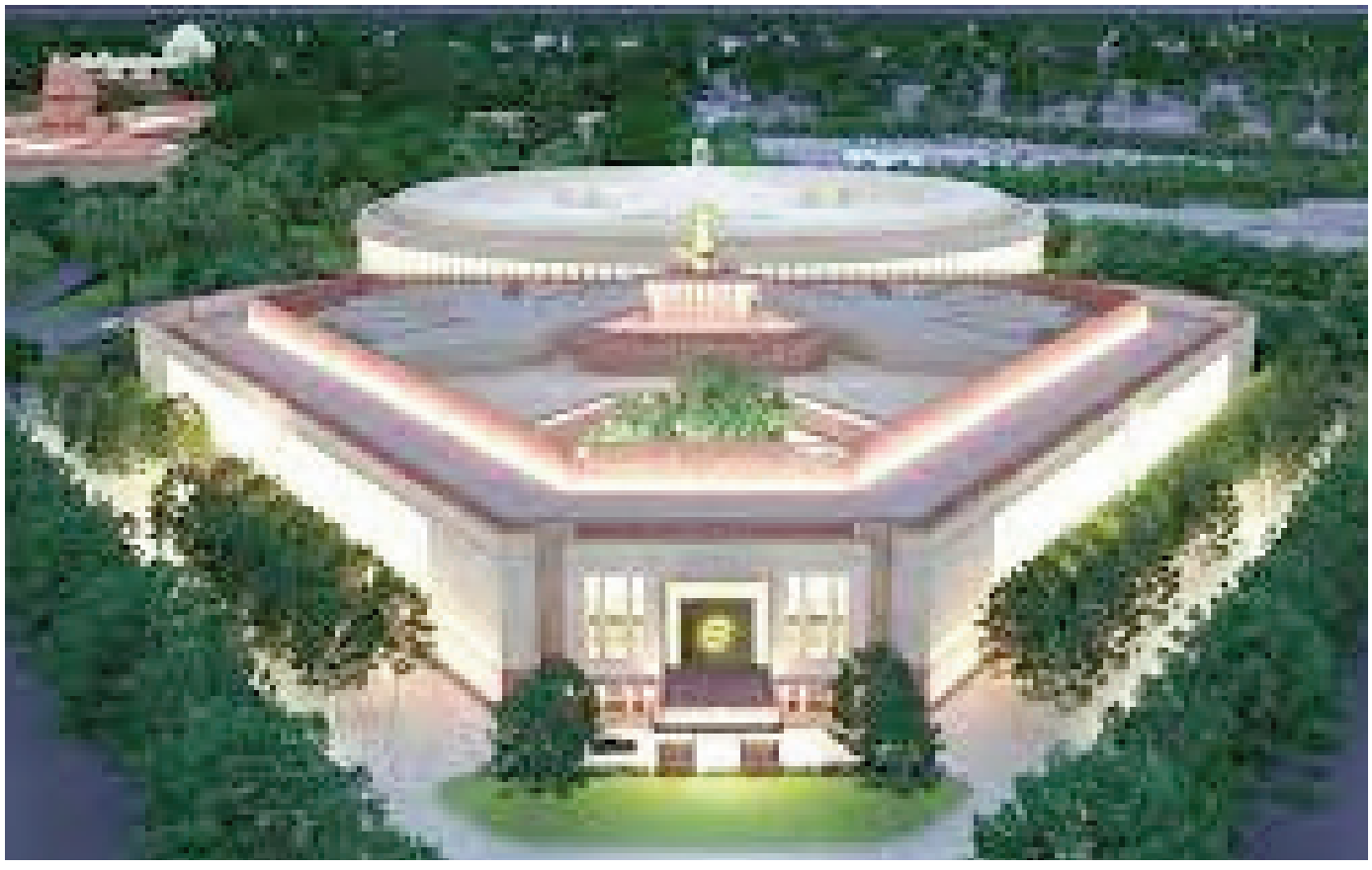

अमृतकाल में तिरंगे का अपमान

इंजीनियर मोहिउद्दीन खान

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

शर्मनाक !

भारत के लिए मेडल लाने वाली बेटियों को झंडे के साथ रोड पर घसीट रही पुलिस।

दिल्ली के जंतर-मंतर में लगभग एक महीने से अधिक समय से महिला पहलवान न्याय की गुहार लगाते धरने पर बैठी हैं. लेकिन पुलिस भारतीय कुश्ती संघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय देश का नाम रौशन करने वाली बेटियों पर ही जुल्म ढाती नजर आई. दरअसल पहलवान जंतर-मंतर से नए संसद भवन की ओर मार्च कर रहे थे. इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने मेडल लाने वाली बेटियों पर जोर आजमाइश की. इस दौरान 2 महिला पहलवान रोड पर भारत के झंडे को पकड़ रखी थी जो गिर गई ।

यह शब्द भारत की अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट के हैं. ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं और विश्व कुश्ती चैंपियनशिप एवं राष्ट्रमंडल खेलों जैसी विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भारत के लिए पदक जीत चुकीं विनेश कोई ऐसी आम महिला नहीं हैं जिनकी आवाज प्रधानमंत्री तक न पहुंच सके. अतीत में स्वयं प्रधानमंत्री उन्हें मिलने के लिए बुला चुके हैं, उन्हें अपने परिवार की बेटी बता चुके हैं, और आज जब उनके परिवार की बेटी उनसे मिलना चाहती है,तो प्रधानमंत्री मिलना नही चाहते।

प्रधानमंत्री मोदी जी 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

की बात करते हैं और सबके 'मन की बात' सुनते हैं. क्या वे पहलवानों के 'मन की बात' नहीं सुन सकते? जब खिलाड़ी पदक जीतते हैं तो वे उन्हें अपने घर आमंत्रित करते हैं और उन्हें बहुत सम्मान देते हैं और उन्हें अपनी बेटियां कहते हैं. आज जब पहलवान खिलाड़ी उनसे अपील करते हैं कि वह उनके 'मन की बात' सुनें.'सवाल उठता है कि आज जब वही एथलीट कई दिनों से धरने पर बैठे हैं तो क्या प्रधानमंत्री मोदी को इसकी खबर नहीं होगी ?जब ओलंपिक पदक जीतने पर पहलवानों को टोक्यो में फोन लगा सकते हैं, ओलंपिक पदक जीतने वालों को हरियाणा या देश के विभिन्न हिस्सों से नाश्ते पर अपने आवास बुला सकते हैं, तो लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास से जंतर-मंतर की कुछ किलोमीटर की दूरी पर बैठे पहलवानों को फोन लगाना या अपने आवास बुलाना तो और भी अधिक सहज और आसान होना चाहिए था।

उलटा यह हो रहा है कि जो देश के लिए सम्मान लेकर आए, आज उन्हें रोड पर घसीट कर अपमानित किया जा रहा है ।

किसानों की खुशहाली व समृद्धि के लिए राजस्थान की कांग्रेस सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही।

नागौर के मौलासर में किसान महासम्मेलन में कांग्रेस प्रभारी श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने किसानों से #महंगाईराहतकैंप में रजिस्टर्ड करवाने व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु प्रदान करें।

देश और राष्ट्रपति का अपमान करने वालों के खिलाफ खड़ी है कांग्रेस : आकाश कुमार सिंह

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के सदस्य एवं मोतिहारी के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आकाश कुमार सिंह ने बीजेपी को महिला एवं दलित- आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि देश मे संसद सर्वोच्च संस्था है। इसका उद्घाटन देश के सर्वोच्च पद यानि राष्ट्रपति के द्वारा किया जाना चाहिये था। लेकिन अपने नाम का शिलापट्ट देश की संसद पर लगाने के तुच्छ उद्देश्य से हठधर्मिता पूर्ण कार्य करते हुए मोदी ने लोकतांत्रिक परंपरा का उल्लंघन किया। यह देश और राष्ट्रपति के अपमान के साथ साथ राज्यसभा, संविधान, बाबा साहब अम्बेडकर जैसे संविधान निर्माताओं और देश की जनता का घोर अपमान है।

लोकतंत्र के इतिहास में यह एक काला अध्याय है। देश की सभी संवैधानिक मर्यादाओं और परंपराओं को प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए ताक पर रख दिया है।

श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी- प्रियंका गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस देश और राष्ट्रपति के इस अपमान के खिलाफ खड़ी है। उद्घाटन के लिये सावरकर जयंती को चुना जाना भी गांधी और गांधीवादी विचारों का अपमान है। जिस व्यक्ति की विचारधारा के कारण राष्ट्रपिता की हत्या हुई उसकी जयंती पर संसद का उद्घाटन से बड़ा कोई पाप नही हो सकता। एक तरफ बीजेपी बेटी बचाओ का नारा देती है तो दूसरी तरफ बलात्कार के आरोपी बीजेपी सांसद को बचाते हुए देश का मान बढ़ाने वाली पहलवान बेटियों पर बर्बरता दिखाती है। देश इस जघन्य अपराध के लिये मोदी को कभी माफ नही करेगा। कांग्रेस देश के धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के लिये हर बलिदान देने को तैयार है।

सेंगोल यानी राजदण्ड

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

दोस्तो देश की नई संसद में मोदीजी द्वारा राजदण्ड स्थापित कर दिया गया

लेकिन मोदीजी, **BJP, RSS** राजदण्ड या राजधर्म का मतलब भी समझते हैं

कायदे में जो देश के विरुद्ध कार्य करता है देश की जनता के विरुद्ध कार्य करता है उसके विरुद्ध इस राजदण्ड से दण्डित किया जाना चाहिए।

दोस्तो अगर हम मोदीजी के इन 9 वर्षों को देखें तो ऐसा लगेगा मोदीजी और इनकी सरकार नें शुरू से ही 2024 से ही जनता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था उसके बाद आअपने कॉरपोरेट मित्रों को तो देश की तमाम सम्पत्तियां कौड़ियों के दामों में बेचनी शुरू कर दीं।

मोदीजी नें तमाम तरह के झूंठे बायदे करके बोट तो ले लिए लेकिन सत्ता में आते ही जनता की और देश की चर्चा करना ही बंद कर दिया।

दोस्तो जिस प्रकार से मोदीजी नें राजदण्ड को बैदिक रीति रिवाज मंत्रोच्चार के साथ जिस प्रकार से राजदण्ड को नई संसद में स्थापित किया उस पर कम से कम यह तो चर्चा होंनी चाहिए कि क्या मोदीजी जिनके कारण देश की जनता महंगाई से दुखी हो देश पर कर्ज का इतना बोझ डाल दिया हो युवा वेरोजगारी की मार से दुखी हो व्यापार उद्योग जगत सब चौपट कर दिया हो देश की सम्पत्ति उन कॉरपोरेट मित्रों को कौड़ियों कदमों में बेच दिया हो जो कॉरपोरेट मोदीजी इखढ को चुनावी खर्च के लिए अपनी काली कमाई देते हों।

दोस्तो कायदे में तो मोदी के द्वारा न तो राजदण्ड को स्थापित कराना चाहिए और न ही नई संसद का लोकार्पण मोदी जी के हाथों होंना चाहिए

दोस्तो मोदीजी नें अपने 9 वर्षों के कार्यकाल में देश की जनता को यह बता दिया है कि मोदीजी को न तो देश की चिंता है न देश की जनता की।

दोस्तो कायदे में तो मोदी जी को इस नई संसद का लोकार्पण करना ही नहीं चाहिए।

दोस्तो जैसा किसान कांग्रेस सम्भल कहता आ रहा है मोदी सरकार के विरुद्ध उ.प्र. के सम्भल कलेक्ट्रेट से कांग्रेस का जनांदोलन देश में शुरू करेगा अब तो और भी जरूरी हो गया है मोदी सरकार के विरुद्ध जनांदोलन क्योंकि अगर मोदी सरकार के विरुद्ध आंदोलन शुरू नहीं हुआ तो मोदीजी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर का भी लोकार्पण कर देंगे।

दोस्तो अब और ज्यादा जरूरी हो गया है मोदी सरकार के विरुद्ध कांग्रेस का जनांदोलन।

सीघ्र ही शुरू करेगा किसान कांग्रेस सम्भल देश में कांग्रेस का जनांदोलन।

धन्यवाद

आपका अपना विनोद साथी
जिलाध्यक्ष
किसान कांग्रेस सम्भल उ.प्र.

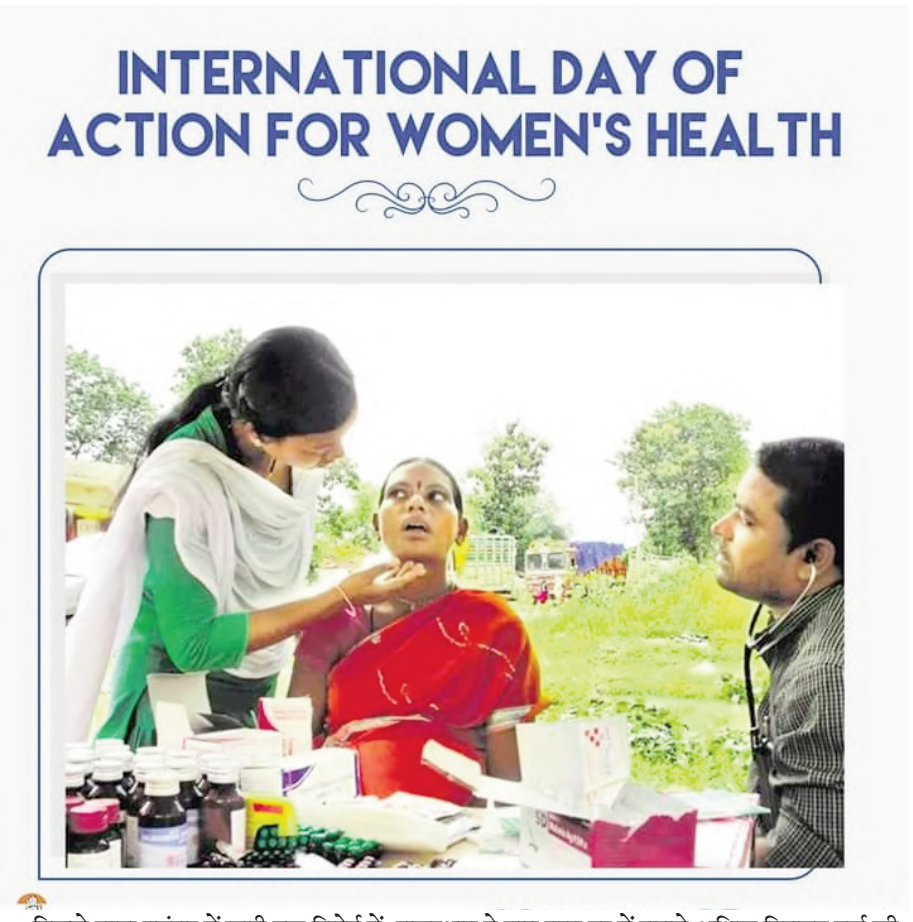

पिछले साल नवंबर में जारी एक रिपोर्ट में, राजस्थान ने मातृ मृत्यु दर में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की, जिसमें छत्तीसगढ़ 2018-20 की अवधि के लिए दूसरे स्थान पर रहा। महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस पर, हम महिलाओं के स्वास्थ्य और भलाई के लिए किए गए इन लाभों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश की आवाज दबाई जा रही है : शम्स शाहनवाज

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

लोकतंत्र की आत्मा के बिना आलीशान संसद भवन बनाने का क्या फायदा ?

संसदीय लोकतंत्र पर हो रहे हमले को लेकर पोस्टर किया जारी

संसद के नए भवन के उद्घाटन को लेकर जारी घमासान के बीच बिहार प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि मो. शम्स शाहनवाज ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर संसद के अस्तित्व पर हमले के 9 साल का पोस्टर जारी करते हुए उन्होंने कहा कि संसद सिर्फ एक इमारत नहीं है। बल्कि भारतीय लोकतंत्र की नींव है। जब संसदीय लोकतंत्र की आत्मा ही नहीं रहेगी तो आलीशान संसद भवन लेकर देशवासी क्या करेंगे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा इसे नहीं समझते।

पूर्व सीतामढ़ी यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष शम्स ने कहा कि पिछले 9 साल के मोदी सरकार के कार्यकाल में संसदीय लोकतंत्र पर लगातार हमले हो रहे हैं। देश की आवाज को दबाया जा रहा है। लोकतंत्र को म्यूट तंत्र में तब्दील करने की कोशिश हो रही है। 2014 के बाद 155 सांसदों को जनहित का मुद्दा उठाने पर सदन से निलंबित किया गया। नए संसद भवन के उद्घाटन को प्रतिष्ठा का सवाल बनाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 साल में संसद में एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। संसद में चर्चा कर कानून बनाने की बजाए महत्वपूर्ण मामलों में सालाना 11 अध्यादेश जारी किए गए। बीते 9 साल में 76 फीसदी विधेयक

बिना किसी विधायी जांच के पारित किए गए। इतना ही नहीं, लोकसभा के कार्यकाल का 4 साल बीत जाने के बावजूद कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है। मौके पर मुश्ताक सरवर, दिनेश दास, राजीव कुशवाहा, सुमन कुमार, गुलाब शेख, मो. साबिर, नसरुद्दीन राईन, मुस्तकिम आलम, मौजूद थे।

प्रिय साथियों

जैसा की आपको विदित है कि जंतर मंतर पर कई दिनों से धरने पर बैठे पहलवानों के खिलाफ आज दिल्ली पुलिस ने मारपीट कर उन्हें जंतर मंतर से हटाने का प्रयास किया है जो कि लोकतंत्र के खिलाफ है कांग्रेस सेवादल इसकी तीव्र भर्त्सना करती है सभी प्रदेश इकाइयां केंद्र सरकार के खिलाफ पूरे जोर-शोर से इसके खिलाफ आवाज उठाएं और धरना प्रदर्शन आयोजित करें

दिनांक 28 मई 2023 को तिलक मैदान मुंगेर जिला कांग्रेस मुख्यालय में मुंगेर जिला कांग्रेस सेवा दल की बैठक जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार मंडल की अध्यक्षता में हुई जिसमें मुख्य अतिथि श्री ब्रह्मदेव चौरसिया एवं पर्यवेक्षक के रुप में श्री विनोद कुमार मंडल एवं डॉ एवं चंदन कुमार का नगर अध्यक्ष श्री अनिल प्रसाद सिंह को बनाया गया एवं नगर कांग्रेस सेवा समिति विस्तार हेतु विचार विमर्श किया गया जिससे कि कांग्रेस सेवा दल की ओर अग्रसर हो सके ' सभा में कुंदन कुमार, राजेश रामसिंह, बैजनाथ चौधरी ,प्रकाश चौधरी, राजकमल यादव, दीपक कुमार एवं अनेकों सेवा दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे '

देर रात मध्यप्रदेश के उज्जैन में IYC- Madhya द्वारा आयोजित युवा शंखनाद रैली को युवा कांग्रेस अध्यक्ष Srinivas BV ने संबोधित किया।

मप्र में चुनाव भले ही 5 महीने दूर है, लेकिन प्रदेश में भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है..

दिल्ली पुलिस के द्वारा महिला खिलाड़ियों के ऊपर किये गये लाठीचार्ज,गिरफ्तारी और जंतर-मंतर से हटाए जाने की घटना भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह को बचाने का आलोकतांत्रिक कृत्य है : एजाज अहमद

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

पटना 28 मई 2023

बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने आज दिल्ली पुलिस के द्वारा महिला पहलवान खिलाड़ियों पर किये गये लाठीचार्ज और उन्हे हिरासत में लिए जाने और धारा 144 लगाकर जंतर-मंतर को पूरी तरह से सील कर दिए जाने की घटना की घोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि जहां एक तरस महिला खिलाड़ी अपने न्याय की मांग कर रही हैं ,वहीं दूसरी ओर इन महिला खिलाड़ियों पर इस तरह के अत्याचार और जुल्म केंद्र सरकार के अधीन आने वाली दिल्ली पुलिस के द्वारा किया जाना, ये स्पष्ट रूप से प्रमाणित होता है कि महिला और महिलाओं के प्रति भाजपा की क्या सोच है।

एजाज ने आगे कहा कि इससे बड़ी दुर्भाग्य की बात क्या हो सकती है कि जहां महिला खिलाड़ी इंसाफ के लिए सड़कों पर गुहार लगा रही थी तो उन्हें दिल्ली पुलिस के द्वारा पीटा जा रहा था,वहीं दूसरी ओर इस मामले में यौन शोषण करने वाला बृजभूषण शरण सिंह नये संसद भवन में बैठकर महिला और महिला खिलाड़ियों के सम्मान को मुंह चिढ़ा रहा था और उनका मजाक भी बना रहा था।

इन्होंने ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार बेटी के सम्मान की बात करती है लेकिन आज जिस तरह से नए संसद भवन के उद्घाटन के समय महिला पहलवान खिलाड़ियों को पुलिस के के द्वारा पीटा गया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया क्या अमृतकाल में इसी तरह से बेटियों के सम्मान और उनके आबरू की रक्षा की जाएगी, यह बड़ा सवाल है । जिस पर केंद्र सरकार की चुप्पी कहीं ना कहीं ये स्पष्ट करता है कि देश के महिलाओ और महिला खिलाड़ियों के प्रति कोई सम्मान का भाव केन्द्र सरकार के स्तर से नहीं दिख रहा है । और एक सांसद को बचाने के लिए सरकार जिस तरह से आलोकतांत्रिक कार्य कर रही है,वह किसी भी तरह से उचित नही है।

श्रीमती बुधनी मझीयान वही आदिवासी महिला है जिन्होंने डीवीसी पंचेत डैम का उद्घाटन बटन दबाकर किया था, और ये उद्घाटन देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व0 पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने उनसे करवाया था। उस वक्त पंडित नेहरू जी ने कहा था की बुधनी और उनके जैसे लोग के कारण ही यह डैम बन पाया, इसलिए डैम का उद्घाटन आदिवासी समाज के महिला से पंडित नेहरू जी ने करवाया और आदिवासियों को उचित सम्मान दिया। वही आज के वर्तमान प्रधानमंत्री ने नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से न करवाकर आदिवासी समाज के सम्मान को ठेश पहुचाया है।